ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर, शनिवार 30 मई 2026

वर्ष 3 अंक 51

पृष्ठ 4

IPL फाइनल ने बदली अहमदाबाद की तस्वीरः हवाई किराए आसमान पर, होटल फुल, दो दिन में 200 करोड़ की कमाई का अनुमान



24 न्यूज अपडेट

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) का फाइनल मुकाबला रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा, लेकिन मैदान पर होने वाली भिड़ंत से पहले शहर की अर्थव्यवस्था जीत का जश्न मनाने लगी है। देशभर से उमड़ रहे क्रिकेट प्रेमियों के कारण अहमदाबाद में होटल, एयरलाइंस, ट्रैवल और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। फाइनल मुकाबले को लेकर शहर में ऐसा माहौल है कि सामान्य दिनों में ऑफ-सीजन माने जाने वाले मई के अंतिम सप्ताह में होटल उद्योग को रिकॉर्ड कारोबार मिलने की उम्मीद है। शहर के अधिकांश प्रीमियम होटल 30 और 31 मई के लिए लगभग पूरी तरह बुक हो चुके हैं। होटल व्यवसाय से जुड़े लोगों का अनुमान है कि सिर्फ दो दिनों में उद्योग को 150 से 200 करोड़ रुपए तक का अतिरिक्त कारोबार मिल सकता है। क्रिकेट प्रेमियों की बढ़ती आवाजाही का असर हवाई यात्रा पर भी साफ दिखाई दे रहा है। अहमदाबाद आने वाली कई उड़ानों के किराए में भारी उछाल दर्ज किया गया है। सामान्य दिनों की तुलना में यात्रियों को 17 हजार से 35 हजार रुपए तक अधिक किराया चुकाना पड़ रहा है। ट्रेन और बसों में भी टिकटों की मांग अचानक बढ़ गई है। फाइनल मुकाबले के चलते मोटेरा, चांदखेड़ा, एसजी हाईवे और गांधीनगर क्षेत्र के होटलों में सबसे ज्यादा मांग बनी हुई है। जिन कमरों का किराया आमतौर पर 8 से 10 हजार रुपए के बीच रहता था, वहां अब 25 से 30 हजार रुपए तक वसूले जा रहे हैं। कुछ लग्जरी होटलों में एक रात का किराया 36 हजार रुपए तक पहुंच गया है। अहमदाबाद में वर्तमान में करीब 20 हजार होटल कमरे उपलब्ध हैं, जिनमें लगभग 200 थ्री स्टार और फाइव स्टार होटल शामिल हैं। होटल व्यवसायियों का मानना है कि फाइनल मुकाबले के कारण अधिकांश कमरे पूरी तरह भर जाएंगे। होटल एवं रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र सोमानी के अनुसार, बड़े खेल आयोजनों ने अहमदाबाद को देश के प्रमुख इवेंट शहरों में शामिल कर दिया है। उन्होंने कहा कि IPL फाइनल सिर्फ एक क्रिकेट मैच नहीं, बल्कि शहर की अर्थव्यवस्था को गति देने वाला बड़ा आयोजन बन चुका है। इससे पर्यटन, परिवहन, खानपान और सेवा क्षेत्र को भी सीधा लाभ मिलेगा। छुट्टियों का समय होने के कारण बड़ी संख्या में युवा और परिवार मैच देखने पहुंच रहे हैं। इसका फायदा होटल उद्योग के साथ-साथ स्थानीय व्यापारियों, टैक्सी संचालकों, रेस्तरां और छोटे कारोबारियों को भी मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि नरेंद्र मोदी स्टेडियम में लगातार हो रहे बड़े आयोजनों के कारण अहमदाबाद खेल पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। विश्व कप फाइनल, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबलों और बड़े संगीत कार्यक्रमों के बाद अब IPL फाइनल भी शहर की अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा देने वाला साबित हो रहा है। उद्योग जगत का आकलन है कि इस आयोजन से हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा तथा भविष्य में ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों की संभावित मेजबानी को देखते हुए शहर में होटल और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर का तेजी से विस्तार हो सकता है।

इंडक्शन चूल्हे में छिपा था 1.74 करोड़ का सोना, एनएच-48 पर पुलिस ने पकड़ी तस्करी की खेप



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। तस्कर अब सोना छिपाने के लिए ऐसे तरीके अपना रहे हैं जिनकी कल्पना करना भी मुश्किल है। डूंगरपुर जिले में जिला विशेष टीम (डीएसटी) और बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने नेशनल हाईवे-48 पर कार्रवाई करते हुए एक इलेक्ट्रॉनिक इंडक्शन चूल्हे के भीतर छिपाया गया 1 किलो 77 ग्राम 840 मिलीग्राम अवैध सोना बरामद किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 1 करोड़ 74 लाख 50 हजार रुपए आंकी गई है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने तीन युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। मामले के तार खाड़ी देश कुवैत से जुड़ते नजर आ रहे हैं।

मुखबिर की सूचना पर बिछाया जाल

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि डीएसटी को सूचना मिली थी कि सोने की तस्करी की एक खेप नेशनल हाईवे-48 से गुजरने वाली है। सूचना के आधार पर लेहना घाटी क्षेत्र में विशेष नाकाबंदी की गई। इसी दौरान एक संदिग्ध कार को रोककर उसकी तलाशी ली गई।

चूल्हे के भीतर मिली सोने की रिंगें

वाहन की जांच के दौरान पुलिस को एक इलेक्ट्रॉनिक इंडक्शन चूल्हा मिला। शुरुआत में यह सामान्य घरेलू सामान जैसा दिखाई दिया, लेकिन जब पुलिस ने उसे खोलकर जांच की तो उसके भीतर सोने की रिंगें छिपाकर रखी हुई मिलीं। तस्करों ने कस्टम और पुलिस की नजरों से बचने के लिए सोना छिपाने का यह अनोखा तरीका अपनाया था। पुलिस ने मौके पर ही सोना और कार जब्त कर ली। कार्रवाई के दौरान बांसवाड़ा जिले के नडियादा निवासी राजपाल सिंह, नवागांव निवासी परवेश पाटीदार तथा कार चालक कुंवारिया निवासी प्रदीप पाटीदार को हिरासत में लिया गया है। तीनों से सोने के स्रोत, सप्लाई चैन और तस्करी नेटवर्क के बारे में पूछताछ की जा रही है।

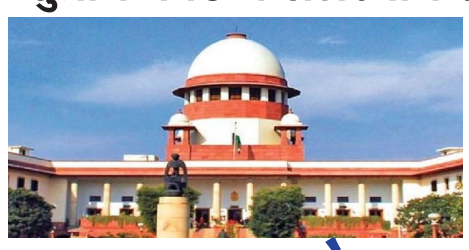
कुवैत कनेक्शन आया सामने

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बरामद सोने का संबंध कुवैत से हो सकता है। पुलिस के अनुसार राजपाल सिंह कुवैत में काम करता है और वहीं से भारत लौटा था। वह अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचा, जहां उसे लेने के लिए परवेश पाटीदार प्रदीप पाटीदार की किराए की कार लेकर गया था। पूछताछ में राजपाल सिंह ने बताया कि कुवैत में रहने वाले बांसवाड़ा के नवागांव निवासी जगदीश पाटीदार ने उसे भारत लाने के लिए कुछ सामान दिया था। उसी सामान में यह इंडक्शन चूल्हा भी शामिल था। राजपाल का दावा है कि उसे चूल्हे के भीतर छिपाए गए सोने की कोई जानकारी नहीं थी।

इनकम टैक्स, जीएसटी और कस्टम भी करेंगे जांच

मामले की गंभीरता और बरामद सोने की बड़ी मात्रा को देखते हुए डूंगरपुर पुलिस ने इनकम टैक्स, जीएसटी और कस्टम विभाग को भी सूचना भेज दी है। अब तीनों विभाग अपने-अपने स्तर पर जांच करेंगे। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि सोना किसके लिए लाया जा रहा था, इसका वास्तविक मालिक कौन है और तस्करी के इस नेटवर्क में देश और विदेश में कौन-कौन लोग शामिल हैं।

24 दिन ज्यादा जेल में रखा तो चुकाने पड़ेंगे 11 लाखः सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को लगाई फटकार



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली/जयपुर। अदालत से पैरोल मंजूर होने के बावजूद एक कैदी को 24 दिन तक जेल में बंद रखना राजस्थान सरकार को महंगा पड़ गया। सुप्रीम कोर्ट ने इसे व्यक्ति की स्वतंत्रता का गंभीर उल्लंघन मानते हुए पीड़ित को 11 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया है। साथ ही प्रशासनिक लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति के मानवाधिकार केवल इसलिए कम नहीं हो जाते क्योंकि वह दोषसिद्ध कैदी है। न्यायमूर्ति संजय करोल और अगस्टीन जॉर्ज मसीह की खंडपीठ ने दाऊदयाल बनाम राजस्थान सरकार मामले में 29 मई को यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। अदालत ने स्पष्ट कहा कि जब तक किसी उच्च अदालत से स्थगन आदेश नहीं मिल जाता, तब तक न्यायालय के आदेशों का पालन करना राज्य के लिए अनिवार्य है।

पैरोल मंजूर, फिर भी 24 दिन जेल में रहा कैदी

मामला अलवर जिले के निवासी दाऊदयाल से जुड़ा है, जिन्हें वर्ष 1988 के एक गैर-इरादतन हत्या के मामले में चार वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई थी। अपील खारिज होने के बाद उन्हें 23 दिसंबर 2021 को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। दाऊदयाल ने 3 दिसंबर 2023 को स्थायी पैरोल के लिए आवेदन किया था, जिसे 18 जनवरी 2024 को खारिज कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने राजस्थान हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट की एकल पीठ ने 5 नवंबर 2024 को एक लाख रुपए के निजी मुचलके और 50 हजार रुपए के जमानती बांड पर उन्हें रिहा करने का आदेश दिया था।

कागजी कार्रवाई पूरी, फिर भी नहीं मिली रिहाई

सुप्रीम कोर्ट के समक्ष आए रिकॉर्ड के अनुसार जमानतदारों के दस्तावेजों का सत्यापन और अन्य सभी आवश्यक औपचारिकताएं 13 नवंबर 2024 तक पूरी हो चुकी थीं। इसके बावजूद प्रशासन ने दाऊदयाल को रिहा नहीं किया। आखिरकार मामले को हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच में ले जाया गया, जिसके आदेश के बाद 6 दिसंबर 2024 को उनकी रिहाई हो सकी

हिन्दुस्तान जिंक कर्मचारी के क्लेम पर रिश्वत का खेल, ESIC शाखा प्रबंधक संदीपा वोहरा 10 हजार लेते ट्रैप



24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) की स्पेशल यूनिट उदयपुर ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) चित्तौड़गढ़ शाखा की शाखा प्रबंधक संदीपा वोहरा को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी पर मेडिकल बिल और मेडिकल लीव की राशि पास करने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है। एसीबी को सूचना मिली थी कि हिन्दुस्तान जिंक चंदेरिया में कार्यरत एल एंड टी कंपनी के कर्मचारी दिनेश कुमार गाड़री अगस्त 2025 में ड्यूटी के दौरान अचानक लकवाग्रस्त हो गए थे। उनके मेडिकल बिलों के भुगतान और मेडिकल लीव (छुट्टियों) की राशि स्वीकृत करने के एवज में ESIC चित्तौड़गढ़ शाखा की प्रबंधक संदीपा वोहरा द्वारा रिश्वत मांगी जा रही थी। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी अधिकारी पहले भी एल एंड टी कंपनी के एचआर मैनेजर, पीड़ित कर्मचारी दिनेश कुमार गाड़री और उनके परिजनों पर दबाव बनाकर विभिन्न कर्मचारियों के क्लेम पास करने के नाम पर 40 हजार रुपए की रिश्वत ले चुकी थी। इसके बाद भी अतिरिक्त राशि की मांग जारी थी।

सत्यापन में सही मिली शिकायत

एसीबी उदयपुर रेंज के उप महानिरीक्षक पुलिस डॉ. रामेश्वर सिंह के निर्देशन में मामले का सत्यापन कराया गया। कार्रवाई का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजीव जोशी ने किया, जबकि सत्यापन और ट्रैप की जिम्मेदारी पुलिस निरीक्षक लक्ष्मण डांगी के नेतृत्व वाली टीम ने संभाली। 29 मई 2026 को की गई रिश्वत मांग सत्यापन कार्रवाई के दौरान यह प्रमाणित हो गया कि संदीपा वोहरा, दिनेश कुमार गाड़री के मेडिकल बिल और मेडिकल लीव की राशि पास करने के बदले 10 हजार रुपए की रिश्वत मांग रही थी। सत्यापन के बाद एसीबी टीम ने ट्रैप की योजना बनाई। शनिवार 30 मई को आरोपी शाखा प्रबंधक ने अपने कार्यालय कक्ष में परिवादी से 10 हजार रुपए की रिश्वत राशि स्वीकार की। राशि लेते ही पहले से मौजूद एसीबी टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया और रिश्वत की रकम बरामद कर ली।

पुराने क्लेम मामलों की भी होगी जांच

एसीबी अब इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या कर्मचारियों के क्लेम पास करने के नाम पर पहले भी अवैध वसूली की जाती रही है। जांच के दायरे में पूर्व में पास किए गए क्लेम और उनसे जुड़े भुगतान प्रकरण भी लिए जा सकते है। आरोपी संदीपा वोहरा से पूछताछ जारी है। एसीबी ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है और पूरे नेटवर्क तथा संभावित अन्य लाभार्थियों की भूमिका की भी जांच शुरू कर दी है।

सूरतगढ़ के व्यापारियों, सुपर थर्मल पावर स्टेशन और वायुसेना स्टेशन कर्मियों का आवागमन हुआ और सुगम



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। सूरतगढ़ राजस्थान का एक प्रमुख कृषि केंद्र है, जिसे राज्य का "कपास शहर" और "अनाज का कटोरा" के नाम से जाना जाता है। यहां भारी मात्रा में कपास और गेहूं का उत्पादन होता है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था का एक बड़ा आधार है। यहां सूरतगढ़ सुपर थर्मल पावर स्टेशन स्थित है, जो राजस्थान का पहला सुपर थर्मल पावर प्लांट है। इसके अलावा, शहर में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सूरतगढ़ वायुसेना स्टेशन भी है। ऐतिहासिक सूरतगढ़ किला इस क्षेत्र की विरासत की झलक प्रस्तुत करता है। यह राजस्थान के ग्रामीण जीवन का एक अनूठा और प्रामाणिक अनुभव भी प्रदान करता है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री अमित सुदर्शन के अनुसार अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत उत्तर पश्चिम रेलवे के सूरतगढ़ स्टेशन के लगभग 20.25 करोड़ की लागत से होने वाले पुनर्विकास कार्यों का प्रथम चरण पूर्ण कर लिया गया है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत इस स्टेशन के पुनर्विकसित होने से थर्मल पावर स्टेशन और वायुसेना स्टेशन कर्मियों और सामान्य यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी,आवागमन सुगम होगा एवं व्यापारी वर्ग भी लाभान्वित होगा।

स्टेशन भवन के समरूप में बड़े स्तर पर सुधार कार्य, स्टेशन की ओर आने-जाने वाले मार्ग में प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग प्रावधान का कार्य, बाउंड्री वॉल, सर्कुलेटिंग एरिया में सौंदर्य करण, दोपहिया, चौपहिया वाहनों के लिए अलग-अलग पार्किंग सुविधा, बुकिंग ऑफिस रिटायरिंग रूम आदि में सुधार, नए टॉयलेट ब्लॉक्स का कार्य पूर्ण हो चुका है।

उपरोक्त कार्यो के अलावा सौंदर्य वर्धन के लिए एलइडी लाइटिंग, तथा दीवारों पर आर्टवर्क भी किया गया है । स्टेशन का मुख्य प्रवेश द्वार अत्यन्त आकर्षक है,जिसकी छत पर स्थानीय कला एवं संस्कृति का समन्वय करते हुए कलाकारों द्वारा आकर्षक पेंटिंग की गई है। सूरतगढ़ स्टेशन पर परंपरा के साथ आधुनिक सुविधाओं के समन्वय का आभास होता है। इन सभी सुविधाओं का दिव्यांगजनों तक पहुंच बनाने के लिए उपयुक्त साइनेज भी लगाया गया है । इसके अलावा यात्री सूचना प्रणाली में सुधार हेतु कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड, मल्टीलाइन डिस्पले बोर्ड्स, सिंगल लाइन डिस्प्ले बोर्ड, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, बड़े एलइडी स्क्रीन्स तथा जीपीएस आधारित डिजिटल क्लॉक भी लगाया गया है । स्टेशन पर 12 मीटर चौड़ा पैदल पुल भी बनाया जाएगा जिसकी अनुमानित लागत लगभग 9.96 करोड़ रुपए है। स्टेशन की प्रकाश व्यवस्था, सुगम,निर्बाध एवं निरंतर बनाए रखने तथा तकनीकी रेल कार्यों के संचालन हेतु हरित ऊर्जा उत्पादन हेतु लगभग 22 लाख रुपए की लागत से 50 किलोवाट का सोलर ऊर्जा प्लांट भी स्थापित किया गया है।

स्टेशन के पुनर्विकास से स्थानीय कारीगर एवं मजदूरों को रोजगार मिला है जिससे उनकी आय बढ़ी है। स्टेशन के पुनर्विकसित होने से पर्यटन,स्थानीय हस्तशिल्प कला आदि को बढ़ावा मिलेगा जिससे क्षेत्र की लोकप्रियता बढ़ेगी एवं साथ रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इस प्रकार स्टेशन के पुनर्विकास से क्षेत्र का आर्थिक और सामाजिक विकास भी होगा।

संपादकीय : शुचिता की फिक्र

किसी भी परीक्षा के दौरान अगर प्रश्नपत्र लीक होता है या अन्य कोई गड़बड़ी होती है, तो इसका मतलब यही है कि उसके संचालन से जुड़ा तंत्र परीक्षा की शुचिता को सुनिश्चित कराने में नाकाम रहा। हाल ही में प्रश्नपत्र लीक होने के बाद नीट यूजी परीक्षा को जिस तरह रद्द किया गया, उससे साफ है कि पहले हुई ऐसी कई घटनाओं के बावजूद आयोजन में हर हाल में शुचिता तय करने को लेकर राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी यानी एनटीए ने जरूरी सबक नहीं सीखा। नतीजतन, नीट की परीक्षा के प्रश्नपत्र फिर अवैध रूप से बाहर हुए और ऊंची कीमतों पर बेचे गए। विडंबना यह है कि इस भ्रष्ट लेन-देन और इसके जरिए परीक्षा में कामयाब होने की कोशिश करने वाले कुछ लोगों की करतूतों का खमियाजा करीब बाईस लाख उन विद्यार्थियों को उठाना पड़ा, जिन्होंने ईमानदारी से अपनी मेहनत के बूते परीक्षा दी थी। ऐसे विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की पीड़ा प्रश्नपत्र लीक करने और उसका फायदा उठाने वाले गिरोहों की हरकत के खुलासे से उपजे शोर में दब कर रह गई । विचित्र है कि इस घटना की परतें खुलने के बाद शीर्ष स्तर पर इसकी जिम्मेदारी तय करने तथा संचालन के तंत्र में पाई गई खामी को पूरी तरह दुरुस्त करने या इस मसले पर अधिकतम सख्ती बरतने के बजाय सुरक्षित तरीके से परीक्षा कराने के लिए अब सेना का सहारा लेने की खबर आई है। यानी एक तरह से यह स्वीकार कर लिया गया है कि सरकार का मौजूदा तंत्र इस परीक्षा का स्वच्छ तरीके से संचालन कर पाने में सक्षम नहीं है और इसीलिए सेना के सहारे नीट-यूजी परीक्षा की शुचिता सुनिश्चित करने की कोशिश की जाएगी। गौरतलब है कि नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने से जुड़े मामले में पूरी प्रक्रिया की समीक्षा के लिए हुई बैठक में प्रश्नपत्र तैयार करने और उनकी छपाई से लेकर परिवहन, सुरक्षा और परीक्षा केंद्र तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने के सभी पहलुओं पर विचार किया गया। इसके बाद अब 21 जून को दोबारा होने वाली नीट परीक्षा में प्रश्नपत्रों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने के लिए वायुसेना की मदद लेने पर सहमति बनी। अगर यह प्रस्ताव अमल में आता है, तो किसी राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा के आयोजन और संचालन में सेना के औपचारिक रूप से शामिल होने का यह पहला मौका होगा। सवाल है कि इससे पहले नीट या अन्य परीक्षाओं में हुई गड़बड़ियों का उदाहरण सामने होने के बावजूद यह स्थिति आखिर क्यों पैदा हुई कि सरकार को परीक्षा के स्वच्छ संचालन के लिए अपने तंत्र और पुलिस पर भरोसा नहीं रहा। हालांकि खबरों के मुताबिक सेना की भूमिका केवल लाजिस्टिक समन्वय, आपातकालीन स्थितियां पैदा होने या मौसम में तेज उतार-चढ़ाव के बीच सुरक्षित परिवहन तक सीमित रहने की बात कही गई है और परीक्षा की निगरानी सेना से नहीं कराई जाएगी। मगर यह देखने की बात होगी कि सेना की मदद का दायरा क्या होता है। आमतौर पर किसी प्राकृतिक आपदा से हुई तबाही और अन्य आपात स्थितियों में युद्ध स्तर पर बचाव कार्य आदि के लिए जरूरत पड़ने पर सरकार सेना या सशस्त्र बलों को तैनात करती रही है। यह एक अफसोसनाक स्थिति है कि आज के दौर में परीक्षाओं के संचालन के मामले में पहले के मुकाबले बेहतर संसाधनों, हर स्तर पर निगरानी की तकनीकी सुविधा और व्यापक डिजिटल तंत्र के बावजूद प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं हो रही हैं और इसे रोकने के लिए सरकार के सामने सेना की मदद लेने की नौबत है।

सुविधा के जोखिम

इसमें दोराय नहीं कि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास ने मानव जीवन की राह को आसान बना दिया है। मगर तकनीक तभी सुविधाजनक होती है, जब उसे कौशल, संवेदनशीलता और सतर्कता के दायरे में रखा जाए। जरा-सी लापरवाही पर यह सुविधा कब जोखिम में बदल जाए, इसका आभास भी नहीं हो पाता है। बीते बुधवार की रात को दिल्ली के हौजखास इलाके में ऐसी ही एक घटना सामने आई, जिसमें एअर कंडीशनर यानी एसी में विस्फोट से लगी आग की वजह से सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी धनेंद्र कुमार की जान चली गई। वह भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के प्रथम अध्यक्ष थे। एसी में विस्फोट किन कारणों से हुआ, यह तो जांच के बाद ही पता चल पाएगा, लेकिन सवाल है। कि जिन उपकरणों को घरों में सुविधा के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है, उनमें तकनीकी खराबी से पैदा होने वाले खतरे से सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? क्या ऐसी घटनाओं में जवाबदेही तय किए जाने की जरूरत नहीं है ? गौरतलब है कि हर साल गर्मी में एअर कंडीशनर की वजह से हादसों का सिलसिला शुरू हो जाता है। पिछले एक माह में देश भर में एसी में विस्फोट या आग लगने से मौत की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। निस्संदेह इस तरह के उपकरणों का इस्तेमाल करते समय लोगों को भी सावधानी बरतनी चाहिए। खासकर एसी के मामले में ज्यादा सतर्कता की जरूरत होती है, क्योंकि इससे और भी कई तरह के जोखिम होते हैं। मसलन, बहुत ठंडे कमरे से अचानक तेज गर्मी में जाने से शरीर का तापमान बदल जाता है, जिससे मस्तिष्काघात का खतरा बढ़ जाता है । एअर कंडीशनर कमरे की नमी को सोख लेता है, जिससे सांस और त्वचा संबंधी विकार पैदा हो सकते हैं। यही नहीं, इस उपकरण से गैस का रिसाव होने पर बंद कमरे में दम घुटने जैसी जानलेवा स्थिति पैदा हो सकती है। वानी किसी भी तकनीकी संसाधन के उपयोग के साथ ही उनके संचालन के लिए एक मुकम्मल प्रशिक्षण भी बेहद जरूरी है। जरूरत इस बात की भी है कि ऐसे उपकरणों में तकनीकी खराबी की वजह से कोई हादसा न हो, इसके लिए सरकार की ओर से स्पष्ट नीति एवं नियम बनाए जाएं, ताकि इनके निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों से समझौता करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

उदयपुर के IVF सेंटरों पर शिकंजा, FIR दर्ज; आधार कार्ड फ्रॉड से लेकर डमी डोनर और दलालों के नेटवर्क तक कई गंभीर आरोपों की जांच शुरू



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर में आईवीएफ सेंटरों को लेकर उठे सवाल अब कानूनी जांच के दायरे में आ गए हैं। पहले स्वास्थ्य विभाग की जांच में अनियमितताओं के चलते दो संस्थानों का पंजीकरण निलंबित किया गया था और अब इसी मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस जांच भी शुरू हो गई है। आरोप इतने गंभीर हैं कि जांच में बड़े खुलासों की संभावना जताई जा रही है। हाथीपोल थाना क्षेत्र में दर्ज प्रकरण की जांच पुलिस विभाग ने शुरू कर दी है। मामले में एससी-एसटी सेल उदयपुर की पुलिस उप अधीक्षक श्रीमती नीतू राठौड़ को भी शिकायत भेजी गई थी, जबकि एफआईआर की कार्रवाई हाथीपोल थानाधिकारी श्रीमती राजूदेवी राज के स्तर पर दर्ज की गई। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा सीएमएचओ की रिपोर्ट के आधार पर भी संबंधित संस्थानों की गतिविधियों की गहन पड़ताल की जा रही है। मामले में अमर आशीष हॉस्पिटल एवं आईवीएफ सेंटर तथा संपत एआरटी बैंक की भूमिका जांच के दायरे में है। एआरटी और डोनर प्रक्रिया से जुड़े कई नियमों के उल्लंघन पर जांच हा रही है। पुलिस ने बीएनएस, आधार एक्ट, आईटी एक्ट तथा एआरटी रेगुलेशन एक्ट से जुड़े प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। सूत्रों के अनुसार जांच एजेंसियां उन आरोपों की भी पड़ताल कर रही हैं जिनमें आधार कार्ड के जरिए कथित फर्जीवाड़ा, डमी डोनर के इस्तेमाल, दलालों के कथित नेटवर्क और नियमों के विपरीत डोनर प्रक्रिया अपनाने जैसी गंभीर बातें सामने आने की संभावना जताई जा रही है। आरोप यह भी हैं कि डोनर से जुड़े नियमों, पहचान सत्यापन और पात्रता मानकों की अनदेखी की गई। जांच में यह भी देखा जा रहा है कि कहीं डोनर से जुड़े रिकॉर्ड, पहचान संबंधी दस्तावेज और कानूनी मानकों का उल्लंघन तो नहीं हुआ। सूत्रों का कहना है कि कुछ मामलों में ऐसे डोनर उपयोग किए जाने के आरोप भी जांच के दायरे में हैं जो निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं थे। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। दरअसल, यह मामला उस समय चर्चा में आया था जब चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने राज्यभर में संचालित आईवीएफ केंद्रों के खिलाफ विशेष निरीक्षण अभियान चलाया था। विभाग को अंडों की अवैध खरीद-फरोख्त और एआरटी प्रक्रियाओं में संभावित अनियमितताओं की शिकायतें मिली थीं। इसके बाद राज्य स्तरीय टीम ने उदयपुर के विभिन्न आईवीएफ केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अमर आशीष अस्पताल एवं आईवीएफ सेंटर में एआरटी बैंक, एआरटी क्लिनिक और सरोगेसी क्लिनिक से जुड़े दस्तावेजों की जांच में गंभीर कमियां मिलने का दावा किया गया था। इसके बाद संबंधित इकाइयों का पंजीकरण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। इसी तरह संपत एआरटी बैंक का पंजीकरण भी अनियमितताओं के चलते अगले आदेश तक निलंबित किया गया था। अब एफआईआर दर्ज होने के बाद जांच का दायरा और बढ़ गया है। पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियां दस्तावेजों, रिकॉर्ड और शिकायत में लगाए गए आरोपों की परत-दर-परत जांच कर रही हैं। जांच एजेंसियों की नजर विशेष रूप से डोनर प्रक्रिया, आधार सत्यापन, एआरटी बैंक संचालन और नियामकीय अनुपालन पर टिकी हुई है। ऐसे में आने वाले दिनों में इस पूरे मामले में कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

भीषण गर्मी में राहत की पहलः सब्जी मंडी युवाज ने किसानों, हम्मालों और उपभोक्ताओं को बांटी छाछ



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रदेशभर में पड़ रही भीषण गर्मी और लू के बीच सामाजिक सरोकारों से जुड़ी संस्था सब्जी मंडी युवाज ने मंडी परिसर में छाछ वितरण कार्यक्रम आयोजित कर किसानों, हम्मालों और उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाई। कार्यक्रम के दौरान मंडी में आने वाले सैकड़ों लोगों को ठंडी छाछ वितरित की गई, जिससे उन्हें तेज गर्मी के बीच कुछ राहत मिली। सब्जी मंडी युवाज के अध्यक्ष मुकेश खिलवानी ने बताया कि संगठन पिछले 13 वर्षों से समाजसेवा और जनहित के कार्यों में सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। गर्मी के मौसम में मंडी परिसर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में किसान, श्रमिक, हम्माल और ग्राहक पहुंचते हैं, जिन्हें तेज धूप और गर्म हवाओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में संगठन ने मानव सेवा के उद्देश्य से छाछ वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों तक राहत पहुंचाना संगठन की प्राथमिकताओं में शामिल है। समय-समय पर रक्तदान, खाद्य सामग्री वितरण, चिकित्सा सहायता और अन्य जनकल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से भी संगठन समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाता रहा है। कार्यक्रम में युवाज के सदस्यों ने स्वयं छाछ वितरण की व्यवस्था संभाली और मंडी में आने वाले लोगों को छाछ उपलब्ध कराई। आयोजन को सफल बनाने में बंटी मामनानी, नितेश देवानी, दामोदर नारवानी, विजय हसीजा, जितेंद्र भैरवानी, अशोक मलानी, भरत तलरेजा, उमेश तलरेजा और नीरज वालेचा सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहयोग किया। मंडी में मौजूद किसानों, हम्मालों और उपभोक्ताओं ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि भीषण गर्मी के दौर में इस तरह के सेवा कार्य लोगों को राहत पहुंचाने के साथ समाज में सकारात्मक संदेश भी देते हैं। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक सेवा और जनकल्याण के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता भी दिखाई दी। युवाज पदाधिकारियों ने भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी आयोजन जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

रास्ते में टेंकर से तेल बहता देख तेल लेने चला गया लोगों का ईमान, सार्वजनिक आचरण बन गया- मुफ्त का चंदन, घिस मेरे नंदन!!



24 न्यूज अपडेट

अलवर। राजस्थान में इन दिनों सड़क पर कोई वाहन पलट जाए तो सबसे पहले एंबुलेंस नहीं, बाल्टी और पीपे पहुंचते दिखाई देते हैं। ऐसा लगता है कि "मुफ्त का चंदन, घिस मेरे नंदन" अब कहावत नहीं, सार्वजनिक आचरण का हिस्सा बन चुका है। कुछ दिन पहले उदयपुर में टमाटरों से भरा ट्रक पलटा तो लोग सब्जी मंडी बनने से पहले ही माल समेट ले गए। उसके बाद बायोडीजल से भरा टैंकर पलटा तो देखते ही देखते सड़क किनारे अस्थायी पेट्रोल पंप खुल गए। अब अलवर में सरसों तेल से भरा टैंकर पलटा तो लोगों ने फिर साबित कर दिया कि दुर्घटना किसी की भी हो, अवसर हमारा है। अलवर-जयपुर नेशनल हाईवे पर शुक्रवार देर रात नटनी का बारा के पास सरसों तेल से भरा एक टैंकर नीलगाय को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक और उसका साथी तो सुरक्षित बच गए, लेकिन हजारों लीटर तेल सड़क किनारे बह निकला। इसके बाद जो हुआ, वह दुर्घटना से ज्यादा समाज का आईना बन गया। घटना की खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचने लगे। कोई बाल्टी लेकर आया, कोई डिब्बा, कोई पीपा। सड़क पर फैले तेल को ऐसे समेटा जाने लगा मानो सरकार ने अचानक मुफ्त वितरण योजना शुरू कर दी हो। जिस तेल को बचाने के लिए मालिक परेशान था, उसे भरकर ले जाने वालों के चेहरों पर अलग ही संतोष दिखाई दे रहा था। विडंबना देखिए, एक तरफ देश के प्रधानमंत्री लोगों से तेल बचाने, संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग करने और आत्मनिर्भरता की बात करते हैं, दूसरी तरफ सड़क पर बहता तेल देखते ही कुछ लोगों का ईमान ही तेल लेने चला जाता है। सवाल यह नहीं है कि कितना तेल बहा, सवाल यह है कि आखिर कब से हमने किसी दूसरे के नुकसान को अपना लाभ मानना शुरू कर दिया? पुलिस को मौके पर पहुंचकर भीड़ हटानी पड़ी और यातायात व्यवस्था संभालनी पड़ी। लेकिन असली चुनौती सड़क साफ कराने की नहीं, मानसिकता साफ कराने की है। हादसे में वाहन मालिक को लाखों रुपये का नुकसान हुआ, मगर कई लोगों के लिए यह किसी लॉटरी से कम नहीं था। स्थानीय ग्रामीण वन्यजीवों की आवाजाही के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को लेकर चेतावनी संकेतक लगाने की मांग कर रहे हैं, जो उचित भी है। लेकिन इसके साथ एक और चेतावनी बोर्ड लगाने की जरूरत महसूस होने लगी है—"दुर्घटना स्थल लूट का अवसर नहीं होता।" कानून का काम केवल यातायात नियंत्रित करना नहीं है। यदि ऐसे मामलों में पहचान कर कार्रवाई नहीं होगी तो समाज में यह संदेश जाएगा कि सड़क पर बिखरा सामान, तेल या माल जिसका चाहे उसका हो सकता है। फिर दुर्घटना और लूट के बीच की रेखा मिटती चली जाएगी। राष्ट्रवाद केवल झंडा लगाने और नारे लगाने से नहीं आता। राष्ट्रवाद तब दिखता है जब कोई व्यक्ति दूसरे के नुकसान को देखकर उसका सामान बचाने की कोशिश करे, न कि अपनी बाल्टी भरने की। छटांक भर तेल के लिए ईमान को गिरवी रखने की प्रवृत्ति पर लगाम लगाना जरूरी है, वरना अगली बार किसी टैंकर के पलटने की खबर से ज्यादा चर्चा इस बात की होगी कि लोग कितने पीपे भरकर ले गए।

शिल्पग्राम में 7 जून को होगा नाटक 'साइकिल ऑफ लाईफ' का मंचन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 30 मई। पश्चिम क्षेत्र सास्कृतिक केंद्र उदयपुर द्वारा आयोजित मासिक नाट्य संध्या 'रंगशाला' के अंतर्गत रविवार 7 जून को 'साइकिल ऑफ लाईफ' नाटक का मंचन किया जाएगा। पश्चिम क्षेत्र सास्कृतिक केंद्र उदयपुर के निदेशक डॉ. अश्विन एम. दलवी ने बताया की प्रति माह आयोजित होने वाली मासिक नाट्य संध्या रंगशाला के अंतर्गत प्रिज्म थिएटर सोसायटी दिल्ली द्वारा साइकिल ऑफ लाईफ नाटक का मंचन रविवार 7 जून को सायं 7 बजे शिल्पग्राम उदयपुर स्थित दर्पण सभागार में किया जाएगा। इस नाटक की परिकल्पना एवं निर्देशन गिन्नी बब्बर करेंगे। इस कार्यक्रम में आमजन का प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा फाउंडेशन की हुई बैठक



24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा फाउंडेशन तहसील सागवाड़ा की बैठक आयोजित हुई। बैठक जिला अध्यक्ष मोहन सिंह बारोट के मुख्य आतिथ्य तथा तहसील उपाध्यक्ष डॉ. महेश शुक्ला की अध्यक्षता में आयोजित हुई। तहसील अध्यक्ष विनोद पंड्या ने स्वागत उद्बोधन दिया। जिला अध्यक्ष द्वारा तहसील के पदाधिकारियों को फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के हस्ताक्षरित आईडी पहनाकर नियुक्ति पत्र दिए गए एवं अपने उद्बोधन में फाउंडेशन के उद्देश्य और कर्तव्यों की जानकारी दी। मानवता के अंतर्गत सर्वसमाज में भाईचारा, समरसता, दुख-सुख में सहयोगी बनना, शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में सेवा, विधवा और वृद्धों को पेंशन दिलाने में प्रशासनिक सहयोग करना, बाल विवाह रोकने में प्रशासन का सहयोग करना तथा पीड़ितों को अन्याय से मुक्ति दिलाना आदि कार्य करना मूल उद्देश्य है, जिसको हम सभी को मिलकर पूरा करना होगा। डॉ. शुक्ला ने ईमानदारी से एवं आत्मविश्वास के साथ अ.मा.सू. फाउंडेशन की योजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने का आह्वान किया। संचालन तहसील महासचिव अनिल पुरोहित तथा आभार भरत पंड्या, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने व्यक्त किया। बैठक में प्रभाशंकर पुरोहित वरिष्ठ उपाध्यक्ष, देवीलाल पंचाल प्रमुख सचिव, अरविंद शाह उपाध्यक्ष, महिपाल सिंह चौहान महामंत्री उपस्थित रहे।



20 महीने से फरार वारंटी को पकड़ने मजदूर बने पुलिसकर्मी, ट्रैक्टर पर बैठकर पहुंची टीम और दबोच लिया आरोपी



24 न्यूज अपडेट

सलूम्बर। लसाड़िया पुलिस ने एक बार फिर अपनी सूझबूझ और रणनीति का परिचय दिया है। करीब 20 महीने से फरार चल रहे एक स्थाई वारंटी को ऑपरेशन सुदर्शन चक्र-2 के तहत पकड़ने के लिए पुलिसकर्मियों ने ऐसा तरीका अपनाया, जो किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं था। मजदूरों का वेश धारण कर पहुंची पुलिस टीम ने ट्रैक्टर पर बैठकर आरोपी तक पहुंच बनाई और उसे गिरफ्तार कर लिया। खास बात यह रही कि आरोपी बेहद सतर्क था और पुलिस की गतिविधियों पर नजर रखता था। ऐसे में उसे पकड़ने के लिए लसाड़िया पुलिस ने अनोखी रणनीति तैयार की। पुलिसकर्मियों ने मजदूरों का भेष धारण किया और आम श्रमिकों की तरह ट्रैक्टर में सवार होकर आरोपी तक पहुंचे।

बताया जा रहा है कि स्थाई वारंटी मोहम्मद इकबाल लंबे समय से पुलिस की पकड़ से दूर था। उसकी गिरफ्तारी के लिए कई बार प्रयास किए गए, लेकिन हर बार वह पुलिस को चकमा देने में सफल रहा। आखिरकार पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर भीलवाड़ा जिले के बिगोद क्षेत्र में दबिश की योजना बनाई। पहचान छिपाने के लिए टीम ने मजदूरों का रूप धारण किया और ट्रैक्टर के जरिए मौके तक पहुंची। आरोपी को भनक तक नहीं लगी कि जिन लोगों को वह मजदूर समझ रहा है, वे पुलिसकर्मी हैं।

अवैध मदिरा के विरूद्ध कार्रवाई जारी

प्रदेश में 5 लाख 56 हजार 794 लीटर वॉश नष्ट

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 30 मई। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, गश्त, रेड की प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में अवैध मदिरा जब्त करते हुए वॉश नष्ट कर अभियोग दर्ज किए गए।

2010 अभियोग दर्ज, 909 हुए गिरफ्तार

आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत एक मई से 29 मई 2026 तक विभिन्न कार्रवाई के तहत 2010 अभियोग दर्ज किए गए है। प्रदेश में देशी मदिरा 19 लाख 20 हजार 705 रूपए लागत की 7115 लीटर, भारत निर्मित विदेशी मदिरा 3 करोड़ 90 लाख 35 हजार 819 रूपए की 38946 लीटर, बीयर 44 लाख 38 हजार 393 रूपए की 19743 लीटर, स्प्रिट 30 लीटर एवं हथकड़ शराब 13287 लीटर जब्त की गई है। इसी क्रम में वॉश 5 लाख 56 हजार 794 लीटर नष्ट किया गया है। प्रदेश में अभियान के दौरान बडे वाहन 15, हल्के चार पहिया वाहन 12, तिपहिया वाहन एक एवं दुपहिया वाहन 65 सहित 93 वाहन जब्त करते हुए 909 व्यक्तियों का गिरफ्तार किया गया है। प्रदेश के समस्त जिलों में भी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, दबिश व सघन गश्त की जा रही है। प्रदेश में समस्त अतिरिक्त आबकारी आयुक्त जोन, आबकारी उपायुक्त, जिला आबकारी अधिकारी, आबकारी निरीक्षक एवं आबकारी निरोधक दल द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध जीरो टोलरेंस की नीति के तहत कार्यवाही की जा रही है।

महिला के गले से सोने की चेन झपटी, बाइक सवार बदमाश वारदात कर फरार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर । हिरणमगरी थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े चेन स्नेचिंग की वारदात सामने आई है। दो मोटरसाइकिल सवार बदमाश एक महिला के गले से सोने की चेन झपटकर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और लोग सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठा रहे हैं। पुलिस के अनुसार शिव विहार कॉलोनी, विनायक लॉडी के पास रहने वाली अंजना सोनी, पुत्री स्वर्गीय गोविंद कुमार सोनी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया गया कि 29 मई की सुबह करीब 8 बजे वह अपने क्षेत्र में थी, तभी दो बाइक सवार युवक उनके पास पहुंचे। महिला कुछ समझ पाती उससे पहले बदमाशों ने झपट्टा मारकर उनके गले में पहनी सोने की चेन खींच ली और मौके से फरार हो गए। वारदात इतनी तेजी से हुई कि पीड़िता को संभलने तक का मौका नहीं मिला। घटना के बाद आसपास के लोगों ने बदमाशों का पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन वे तेजी से भाग निकले। इसके बाद पीड़िता ने हिरणमगरी थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 309(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक रामफूल को सौंपी गई है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और वारदात में शामिल बदमाशों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही क्षेत्र में सक्रिय चेन स्नेचिंग गिरोहों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

हिरा बावड़ी इलाके से बाइक चोरी, घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल लेकर फरार हुआ चोर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर में वाहन चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला सविना थाना क्षेत्र से सामने आया है, जहां घर के बाहर खड़ी एक मोटरसाइकिल अज्ञात चोर चुराकर ले गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तितरड़ी स्थित हिरा बावड़ी इलाके से अज्ञात चोर एक मोटरसाइकिल चुराकर फरार हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में लोगों के बीच सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। पुलिस के अनुसार ठाकुर दाता शिवम विहार कॉलोनी, तितरड़ी निवासी सुरेश सिंह सिसोदिया ने सविना थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया गया कि उनकी मोटरसाइकिल, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर RJ 27 AX 7859 है, हिरा बावड़ी फांदा रोड के पास खड़ी थी। पीड़ित के अनुसार 27 मई की रात अज्ञात व्यक्ति उनकी मोटरसाइकिल चुराकर ले गया। काफी तलाश के बाद भी बाइक का कोई सुराग नहीं मिलने पर उन्होंने पुलिस की शरण ली। शिकायत के आधार पर सविना थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच हेड कांस्टेबल भानुप्रताप सिंह को सौंपी गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही है।

बिछीवाड़ा में अफ्रीकन घोंघे का बढ़ता खतरा देख हैरान रह गई दिल्ली से पहुंची वैज्ञानिकों की टीम, सरकार और आईसीएआर को भेजी रिपोर्ट



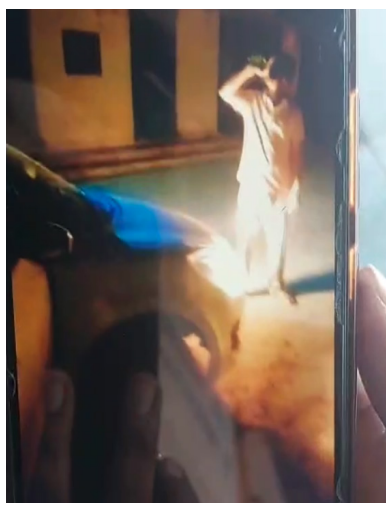


24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले की फलासिया तहसील के बिछीवाड़ा गांव में पिछले तीन वर्षों से अफ्रीकन घोंघे की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। हालात का जायजा लेने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की टीम गांव पहुंची। सर्वे के बाद विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो मानसून के साथ यह समस्या और भयावह रूप ले सकती है।

फलासिया के बिछीवाड़ा गांव में अफ्रीकन घोंघे के बढ़ते प्रकोप ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। राजस्थान सरकार के कृषि विभाग की अनुशंसा और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक डॉ. एम. एल. जाट के संज्ञान में मामला आने के बाद विशेषज्ञों की एक उच्च स्तरीय टीम ने गांव का सर्वे किया। सर्वे दल में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. श्रवण हलधर और डॉ. शशांक, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान डॉ. श्रीधर लखावत, वैज्ञानिक डॉ. हेमंत स्वामी, कृषि विभाग राजस्थान सरकार के कृषि अनुसंधान अधिकारी (कीट) डॉ. कुलदीप सुथार तथा कृषि अधिकारी गौरीशंकर शामिल रहे। सर्वे के दौरान गांव के किसान, महिलाएं और स्थानीय जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद रहे। ग्रामीणों ने विशेषज्ञों को बताया कि पिछले तीन वर्षों से अफ्रीकन घोंघे की वजह से खेती और जनजीवन प्रभावित हो रहा है। विशेषज्ञ टीम ने गांव के खेतों, नदी क्षेत्र, नालियों, घरों और अन्य स्थानों का निरीक्षण किया। सर्वे में बड़ी संख्या में अफ्रीकन घोंघे पाए गए, हालांकि वर्तमान में ये सुषुप्त अवस्था में हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि मानसून की पहली बारिश के साथ ही ये फिर सक्रिय होकर तेजी से फैल सकते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले वर्ष हालात इतने खराब हो गए थे कि सड़कों पर चलना और घरों में रहना तक मुश्किल हो गया था। घोंघों के प्रकोप से फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचा और किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि मानसून से पहले प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया तो इस बार समस्या पिछले वर्षों की तुलना में अधिक विकराल रूप धारण कर सकती है और किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। सर्वे के तुरंत बाद टीम ने अपनी रिपोर्ट महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और आईसीएआर को सौंप दी है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. आर. एल. सोनी ने बताया कि सर्वे रिपोर्ट राज्य सरकार और आईसीएआर, नई दिल्ली को भेजी जा रही है। वहां से मिलने वाली आर्थिक सहायता और आवश्यक रसायनों के माध्यम से प्रभावित क्षेत्र में व्यापक नियंत्रण अभियान चलाया जाएगा। वरिष्ठ कीट वैज्ञानिक डॉ. श्रवण हलधर और डॉ. शशांक ने किसानों को सलाह दी कि अफ्रीकन घोंघे के नियंत्रण के लिए मेटाएलडीहाईड 2.5 प्रतिशत, फेरीक फॉस्फेट 2.94 प्रतिशत, कॉपर सल्फेट और कैल्सियम ऑक्साइड जैसे अनुशंसित रसायनों का वैज्ञानिक तरीके से उपयोग किया जाए। वहीं डॉ. श्रीधर लखावत ने किसानों से सामूहिक स्तर पर अभियान चलाने की अपील की। डॉ. हेमंत स्वामी ने कहा कि मानसून से पहले नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले समय में स्थिति और गंभीर हो सकती है। वहीं डॉ. कुलदीप सुथार ने खेतों की मेड़ों, नालियों और खरपतवारों की सफाई कर घोंघों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करने की सलाह दी। कृषि अधिकारी गौरीशंकर ने आसपास के क्षेत्रों में भी निगरानी बढ़ाने और सामूहिक जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया। अब सर्वे रिपोर्ट सरकार और आईसीएआर के पास पहुंच चुकी है। ऐसे में किसानों की उम्मीदें इस बात पर टिकी हैं कि मानसून से पहले प्रभावी कदम उठाकर बिछीवाड़ा और आसपास के क्षेत्रों को अफ्रीकन घोंघे के बढ़ते खतरे से राहत दिलाई जा सके। यह जानकारी एमपीयूएटी के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. जीएल मीणा ने दी।

अदवास चौकी के बाहर युवकों का हंगामा! तेज म्यूजिक और शराब पीने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर जिले के जावरमाइंस क्षेत्र स्थित अदवास चौकी के बाहर कथित तौर पर कुछ युवकों द्वारा हुड़दंग मचाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा का विषय बन गया है। वीडियो में दिखाई दे रहे युवकों पर सार्वजनिक स्थान पर अनुशासनहीनता और सोशल मीडिया पर इसका प्रदर्शन करने के आरोप लगाए जा रहे हैं। हालांकि वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हो सकी है। जानकारी के अनुसार वायरल वीडियो में एक कार चौकी के बाहर खड़ी दिखाई दे रही है। कार के गेट खुले हुए हैं और उसमें सवार दो से तीन युवक नजर आ रहे हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि युवक नशे की हालत में थे और इलाके में तेज आवाज में म्यूजिक बजाकर घूम रहे थे। ग्रामीणों के मुताबिक कार में सवार युवकों ने अदवास क्षेत्र के विभिन्न चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर भी शोर-शराबा किया। रास्ते में शराब की बोतलें भी फेंकी गईं, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिली। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। वायरल वीडियो में कार की छत पर एक बोतल रखी हुई दिखाई दे रही है, जबकि कुछ युवक वाहन के आसपास खड़े नजर आ रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि वीडियो और तस्वीरें बाद में सोशल मीडिया स्टेटस पर भी साझा की गईं, जिससे मामला और अधिक चर्चा में आ गया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार वीडियो में दिखाई दे रहे युवक इसी चौकी क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं। हालांकि उनकी पहचान और वीडियो से जुड़े सभी दावों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। मामले को लेकर जब पुलिस से संपर्क किया गया तो कांस्टेबल केसूलाल ने बताया कि मामला उनकी जानकारी में आया है। वहीं थानाधिकारी हिम्मत कुमार ने कहा कि वायरल वीडियो और शिकायतों की जांच की जाएगी तथा तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

इको कार के सीक्रेट केबिन में छिपा रखा था शराब का जखीरा, गुजरात तस्करी से पहले तीन तस्कर गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। गुजरात में अवैध सप्लाई के लिए ले जाई जा रही अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप को डूंगरपुर पुलिस ने पकड़ा है। चौरासी थाना पुलिस ने एक इको कार में बनाए गए विशेष गुप्त केबिन से 1.10 लाख रुपए मूल्य की अंग्रेजी शराब बरामद कर तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान 71 बोतलें, 82 पव्वे और तस्करी में प्रयुक्त इको कार भी जब्त की गई। चौरासी थाना प्रभारी भंवरसिंह ने बताया कि वेंजा चौकी प्रभारी हजारीलाल और उनकी टीम



को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक वाहन में अवैध शराब की खेप गुजरात ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर स्टेट हाईवे-54 पर वेंजा चौकी के सामने नाकाबंदी की गई। नाकाबंदी के दौरान संदिग्ध इको कार को रोककर उसकी गहन तलाशी ली गई। जांच में वाहन के पिछले हिस्से के नीचे विशेष रूप से तैयार किया गया एक सीक्रेट केबिन मिला। जब पुलिस ने केबिन को खोला तो उसमें विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब की बोतलें और पव्वे छिपाकर रखे हुए मिले। पुलिस ने मौके पर ही शराब जब्त कर वाहन में सवार तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि शराब उदयपुर के एक ठेके से खरीदी गई थी और उसे गुजरात में अवैध रूप से सप्लाई करने के लिए ले जाया जा रहा था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अहमदाबाद निवासी किंजल भाई सोलंकी (35) पुत्र भरत भाई सोलंकी, अरावली जिले के मेघराज निवासी डामोर बाबू भाई (42) पुत्र रमण भाई तथा अरावली निवासी डामोर बाबू भाई (33) पुत्र सना भाई के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार तस्करों ने शराब की तस्करी को छिपाने के लिए इको कार में विशेष गुप्त केबिन तैयार कराया था, ताकि सामान्य जांच में शराब पकड़ में न आए। हालांकि पुलिस की सतर्कता के चलते पूरा खेल उजागर हो गया। पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है और अब यह जांच की जा रही है कि शराब तस्करी के इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। साथ ही शराब की खरीद और सप्लाई चैन की भी पड़ताल की जा रही है।

ऑपरेशन त्रिनेत्रः होटल में चल रहा था करोड़ों का तस्करी का नेटवर्क??? हथियार, बाड़मेर-पंजाब के चार तस्कर उदयपुर में पकड़े गए, फर्जी नंबर प्लेट वाली कार, अफीम, 20 लाख की नकदी बरामद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर पुलिस के "ऑपरेशन त्रिनेत्र" के तहत शनिवार को वल्लभनगर क्षेत्र में की गई बड़ी कार्रवाई में अंतर्राज्यीय मादक पदार्थ तस्करी और अवैध हथियार नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने कीर की चौकी स्थित श्रीराम होटल पर दबिश देकर बाड़मेर और पंजाब के चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान अवैध ऑटोमैटिक पिस्टल, जिंदा कारतूस, अफीम, फर्जी नंबर प्लेट लगी कार और होटल संचालक के कब्जे से 20.44 लाख रुपए नकद बरामद किए गए हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल और राजेन्द्र सिंह जैन के नेतृत्व में वल्लभनगर एवं खेरोदा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई अंजाम दी।

होटल के कमरे से मिली पिस्टल, कारतूस और अफीम

पुलिस को सूचना मिली थी कि होटल में पश्चिम राजस्थान के कुछ संदिग्ध तस्कर ठहरे हुए हैं। जांच के दौरान होटल के कमरा नंबर 213 में ठहरे बाड़मेर निवासी मोहनलाल उर्फ मुन्ना जाट के कब्जे से एक अवैध ऑटोमैटिक पिस्टल बरामद हुई। वहीं उसके साथी हुकमाराम सारण की तलाशी में 14 ग्राम अफीम और तीन जिंदा कारतूस मिले। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी करीब चार क्विंटल डोडा चूरा की बड़ी खेप का सौदा कर उसे मारवाड़ क्षेत्र में पहुंचाने की तैयारी में थे। पुलिस ने मामले में मास्टरमाइंड को भी नामजद करते हुए एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

पंजाब से आए तस्कर फर्जी नंबर प्लेट वाली कार में पहुंचे

कार्रवाई के दौरान होटल के कमरा नंबर 108 की तलाशी में पंजाब के संगरूर जिले के दो तस्कर जसविंदर सिंह और कुलदीप सिंह को 8 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि दोनों जिस स्विफ्ट कार से उदयपुर पहुंचे थे, उस पर दो अलग-अलग नंबर प्लेट लगी हुई थीं। आरोपियों द्वारा वाहन की पहचान छिपाने और जांच एजेंसियों को गुमराह करने के लिए फर्जी नंबर प्लेट का इस्तेमाल किया जा रहा था। पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि आरोपियों ने अवैध डोडा चूरा खरीदने के लिए स्थानीय तस्करों को रकम ट्रांसफर की थी।

होटल संचालक के पास मिले 20.44 लाख रुपए दबिश के दौरान पुलिस ने होटल संचालक राजेश मेनारिया के कब्जे से 20 लाख 44 हजार रुपए नकद और कई जमीनों से जुड़े दस्तावेज भी बरामद किए। रकम के स्रोत को लेकर संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर पुलिस ने बीएनएसएस की धारा 106 के तहत नकदी और दस्तावेज जब्त कर लिए हैं। मामले की सूचना आयकर विभाग को भी भेज दी गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद नकदी का संबंध मादक पदार्थ तस्करी या किसी अन्य अवैध गतिविधि से तो नहीं है।

पुलिस की जांच कई बड़े नामों तक पहुंच सकती है

पुलिस अधिकारियों का मानना है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में मादक पदार्थ तस्करी के बड़े नेटवर्क और हथियार सप्लाई चैन से जुड़े अहम खुलासे हो सकते हैं। चार क्विंटल डोडा चूरा की संभावित डील, फर्जी नंबर प्लेटों का इस्तेमाल और होटल से बरामद भारी नकदी इस पूरे मामले को साधारण गिरफ्तारी से कहीं अधिक गंभीर बना रही है। उदयपुर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अवैध मादक पदार्थों और हथियारों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

पंजाब के राज्यपाल कटारिया के 40 माह में 48 दौरे, 231 दिनों का प्रवास, उदयपुर में चला रहे समानांतर शासन, राष्ट्रपति करे संवैधानिक हस्तक्षेप - डॉ. विजय विप्लवी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पूर्व पार्षद एवं अधिवक्ता डॉ. विजय विप्लवी ने भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया द्वारा उदयपुर में नियमित रूप से आयोजित की जा रही जनसुनवाई तथा बार-बार हो रहे उदयपुर दौरों पर गंभीर संवैधानिक प्रश्न उठाते हुए इसे उदयपुर में पंजाब के राज्यपाल के समानांतर शासन की संज्ञा दी है।

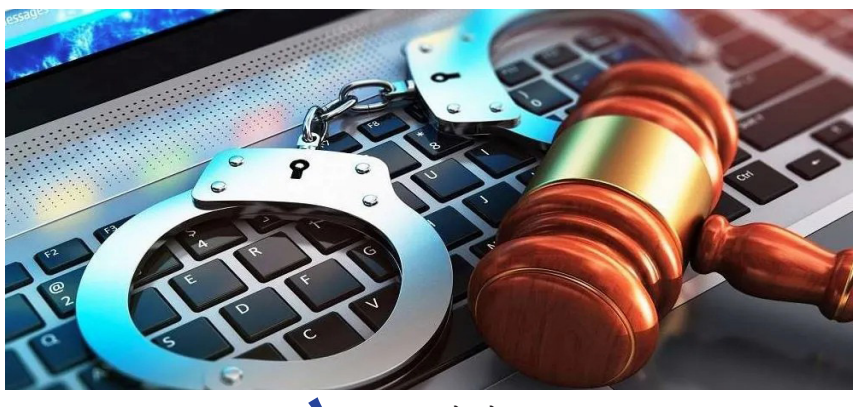
डॉ. विप्लवी ने पत्र में कहा है कि पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया प्रतिमाह उदयपुर आकर सर्किट हाउस में जनसुनवाई आयोजित करते हैं तथा प्राप्त आवेदनों के निस्तारण के लिए प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को निर्देश भी देते हैं। उनके अनुसार यह स्थिति भारतीय संविधान की संघीय व्यवस्था, राज्यों की संवैधानिक सीमाओं तथा शक्ति पृथक्करण के सिद्धांत से जुड़े अनेक प्रश्न खड़े करती है। ज्ञापन में सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत जिला कलेक्टर कार्यालय, उदयपुर से प्राप्त जानकारी का हवाला देते हुए बताया गया है कि फरवरी 2023 से मई 2026 के मध्य 40 महीनों में राज्यपाल कटारिया 48 बार उदयपुर आए तथा कुल 231 दिन यहां प्रवास पर रहे। डॉ. विप्लवी का कहना है कि यह आंकड़ा केवल उदयपुर प्रवास का है, जबकि राजस्थान के अन्य स्थानों एवं देश के अन्य दौरों का विवरण प्राप्त होना अभी शेष है।

उन्होंने पत्र में राज्यपाल (भत्ते और विशेषाधिकार) संशोधन अधिनियम, 2015 के उपनियम 13 (घ) (।।) का उल्लेख करते हुए कहा है कि इसमें राज्यपालों को अपने गृह राज्य के बार-बार दौरों से बचने अथवा उन्हें सीमित रखने का प्रावधान किया गया है। इसके बावजूद उदयपुर में लगातार दौरे और जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित होना विचारणीय विषय है। डॉ. विप्लवी ने यह भी कहा कि राज्यपालों की नियुक्ति परंपरागत रूप से उनके गृह राज्य से बाहर किए जाने के पीछे उद्देश्य यह रहता है कि संवैधानिक पदधारी स्थानीय अनुराग, पूर्वाग्रह अथवा प्रभावों से मुक्त रहकर निष्पक्ष भूमिका निभा सकें। ऐसे में किसी अन्य राज्य के राज्यपाल द्वारा अपने गृह नगर में नियमित जनसुनवाई आयोजित करना संघीय ढांचे की भावना के अनुरूप है या नहीं, इस पर स्पष्टता आवश्यक है।

ज्ञापन में यह प्रश्न भी उठाया गया है कि जब राजस्थान में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और संवैधानिक संस्थाओं की पूर्ण व्यवस्था उपलब्ध है, तब किसी अन्य राज्य के राज्यपाल द्वारा यहां जनसुनवाई आयोजित करने का औचित्य क्या है। साथ ही, वर्तमान परिस्थितियों में सरकारी संसाधनों के मितव्ययी उपयोग की आवश्यकता का उल्लेख करते हुए इन दौरों की उपयोगिता पर भी प्रश्न उठाए गए हैं।

डॉ. विजय विप्लवी ने राष्ट्रपति से अनुरोध किया है कि पंजाब के राज्यपाल द्वारा उदयपुर में आयोजित की जा रही जनसुनवाई की संवैधानिक स्थिति का परीक्षण कराया जाए तथा चालीस माह में 48 दौरों और 231 दिनों के प्रवास जैसी निरंतरता पर आवश्यक निर्णय लेकर भारतीय संविधान के संघात्मक स्वरूप की रक्षा सुनिश्चित की जाए। ज्ञापन की प्रतिलिपि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह तथा राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े को भी भेजी गई है।

शेयर बाजार नहीं, ठगी बाजार! व्हाट्सऐप पर 'इन्वेस्टमेंट गुरु' बना, 27 लाख ठगे, अब पहुंचा जेल



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा साइबर थाना पुलिस ने एक कथित "निवेश विशेषज्ञ" देवांश शर्मा को गिरफ्तार किया है, जिसने शेयर ट्रेडिंग और आईपीओ में मोटे मुनाफे का सपना दिखाकर एक परिवार से करीब 27 लाख रुपये ऐंठ लिए। दिलचस्प बात यह है कि आरोपी पहले से ही हत्या के एक मामले में जेल की हवा खा रहा था। साइबर पुलिस को उसे गिरफ्तार करने के लिए जेल से प्रोडक्शन वारंट पर बाहर लाना पड़ा। पुलिस के अनुसार पूरा खेल एक व्हाट्सऐप ग्रुप से शुरू हुआ। पीड़ित को बताया गया कि वह किसी विशेष निवेशकों के समूह में शामिल किया जा रहा है। वहां रोज मुनाफे की कहानियां, स्क्रीनशॉट और निवेश के सुनहरे सपने परोसे गए। फिर कोटक सिक्योरिटीज के नाम से मिलता-जुलता एक फर्जी प्लेटफॉर्म सामने आया और शुरू हो गया भरोसे को रुपये में बदलने का कारोबार। 25 फरवरी से 30 मार्च के बीच पीड़ित और उसके परिवार के सदस्यों से अलग-अलग बैंक खातों में कुल 26.98 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए गए। मजे की बात यह कि रकम लेने के बाद भी ठगों का पेट नहीं भरा। वे लगातार और पैसे मांगते रहे। मानो निवेश नहीं, श्रद्धांजलि राशि जमा करवाई जा रही हो, जिसका कोई अंतिम लक्ष्य ही नहीं था। इस मामले में पुलिस पहले ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। अब चौथे आरोपी की गिरफ्तारी के बाद जांच का दायरा और बढ़ गया है। साइबर थाना प्रभारी रामशरण मीणा के अनुसार गिरोह लोगों को SEBI से जुड़ा बताकर भरोसे में लेता था और फिर फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर निवेश करवाकर रकम हड़प लेता था। दरअसल, यह केवल एक गिरफ्तारी की खबर नहीं है। यह उस नए भारत की कहानी है जहां पहले लोग गली-मोहल्लों में चिटफंड के झांसे में आते थे और अब मोबाइल स्क्रीन पर। पहले ठग सूट-बूट पहनकर दफ्तर खोलते थे, अब डीपी लगाकर व्हाट्सऐप ग्रुप बनाते हैं। पहले लोग बैंक मैनेजर बनकर फोन करते थे, अब खुद को निवेश सलाहकार बताकर करोड़पति बनाने का सपना बेचते हैं।

ऑपरेशन डोमिनेंसः उदयपुर पुलिस का अलसुबह बड़ा एक्शन, 515 ठिकानों पर दबिश, 107 बदमाश गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत उदयपुर पुलिस ने शुक्रवार अलसुबह एक साथ 515 से अधिक ठिकानों पर दबिश देकर 107 अपराधी और आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को गिरफ्तार किया। जिलेभर में चलाए गए रेड और एरिया डोमिनेंस अभियान में 57 पुलिस टीमों के 305 अधिकारियों और जवानों ने भाग लिया। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर अपराध नियंत्रण, वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा और अंजना सुखवाल के सुपरविजन में जिले के सभी वृताधिकारियों और थानाधिकारियों ने संयुक्त रूप से कार्रवाई को अंजाम दिया। अभियान के दौरान हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, डकैती, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट जैसे गंभीर मामलों में वांछित दो अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं सात अन्य वांछित आरोपियों को सामान्य प्रकरणों में पकड़ा गया। इसके अलावा नए कानूनी प्रावधानों के तहत 59 लोगों को निरोधात्मक कार्रवाई में गिरफ्तार कर पाबंद कराया गया।

कार्रवाई का विस्तृत ब्यौरा स्थायी और गिरफ्तारी वारंटीः 22 स्थायी वारंटी एवं 13 गिरफ्तारी वारंटों का निस्तारण किया गया। हिस्ट्रीशीटर और हार्डकोर अपराधीः 3 हार्डकोर अपराधियों और 82 हिस्ट्रीशीटरों के घरों पर दबिश देकर पूछताछ की गई तथा उनकी संपत्तियों की जानकारी जुटाई गई। पूर्व चालानशुदा अपराधीः 59 अपराधियों को धारा 170, 172 एवं 129 बीएनएसएस के तहत पाबंद कराया गया। जघन्य अपराधों में वांछित आरोपीः एनडीपीएस एक्ट के 1 और आर्म्स एक्ट के 1 वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया गया। सामान्य प्रकरणों में वांछित आरोपीः 7 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

आबकारी अधिनियमः 4 प्रकरण दर्ज कर 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आर्म्स एक्टः 2 प्रकरण दर्ज कर 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

इस प्रकार अभियान के दौरान कुल 6 प्रकरण दर्ज किए गए और 107 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस कार्रवाई का उद्देश्य केवल वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं, बल्कि अपराधियों के बीच पुलिस की सक्रिय मौजूदगी का संदेश देना भी था। अलसुबह की गई इस कार्रवाई से जिलेभर में अपराधियों में हड़कंप की स्थिति रही।

जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने कहा कि अपराधियों के विरुद्ध ऐसी सख्त कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि किसी भी अपराध या अपराधी से संबंधित सूचना तत्काल पुलिस को दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

दसा नरसिंहपुरा महासभा का विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन सम्पन्न, वैवाहिक रिश्तों को मिला नया मंच

सम्मेलन में करीब 100 से अधिक युवक-युवतियों ने मंच से बेबाक होकर दिया अपना परिचय



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 30 मई। दसा नरसिंहपुरा महासभा के तत्वावधान में आयोजित विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन शनिवार को मोहनलाल सुखाडिया रंगमंच, टाउन हॉल में उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से आए युवक-युवतियों एवं उनके परिजनों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में वैवाहिक संबंधों को प्रोत्साहित करना तथा युवक-युवतियों को एक-दूसरे से परिचित होने का सशक्त मंच प्रदान करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ अल्पाहार, ध्वजारोहण एवं मंगल प्रवेश के साथ हुआ। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। सम्मेलन में करीब 100 से अधिक युवक-युवतियों ने मंच से अपना परिचय प्रस्तुत किया, जिसे समाजजनों ने ध्यानपूर्वक सुना। परिचय प्रस्तुतीकरण के दोनों सत्रों में प्रतिभागियों ने शिक्षा, व्यवसाय, पारिवारिक पृष्ठभूमि एवं जीवन मूल्यों से संबंधित जानकारी साझा की। महासभा अध्यक्ष लक्ष्मीलाल बोहरा ने अपने उद्बोधन में कहा कि आप यहां जीवन साथी चयन के लिए आए है, सिर्फ जीवन साथी नहीं आपका जीवन है भविष्य है, आने वाली तीन पीढियों, परिवार, कुटुम्ब, समाज, एवं धर्म सभी इससे प्रभावित होगें अतः आप यहां कुछ छुपाएं नहीं जैसे आय, आयु, परिवार की पृष्ठभूमि, वर्तमान व्यवसाय, नई सर्विस, भविष्य में क्या करना चाहेगे आदि । लडक़ी को किचन का काम करना नहीं करना, सर्विस करनी है या यूंही चलेगा आदि-आदि सभी बतिस्पष्ट करें। चयन के लिए पूर्ण पारदर्शिता बनाये रखें । एक अच्छे जीवन साथी की भूमिका निभाने के लिए अपनी स्वयं की प्राथमिकताएँ बदलने को सदैव तत्पर रहे । माता-पिता और परिन के बीच संतुलन बनाने की कला भी सीखे, परिवार यूहीं नहीं बनता है इसके लिए चैर्य, शांत, सहजता, सरलता, नम्रता, गलती स्वीकार करने की क्षमता, क्षमा इत्यादि अनेक गुण आपको धारण करने जरूरी है । समारोह की अध्यक्षता पवन कुमार सुंद्रावत ने की। मुख्य अतिथि शहर विधायक ताराचंद जैन एवं अनिल कुमार हाथी रहे। विशिष्ट अतिथि बद्रीलाल कंठालिया एवं शैलेन्द्र कुमार पंचोरी ने समाज में ऐसे आयोजनों की आवश्यकता पर बल देते हुए इसे सामाजिक एकता एवं पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ करने वाला महत्वपूर्ण प्रयास बताया। कार्यक्रम में उदयपुर समाज अध्यक्ष सुमतिप्रकाश वालावत सहित 38 पंचायतों के सेठ एवं कई अतिथि मौजूद रहे । ध्वजारोहण अशोक कुमार भंवरा द्वारा किया गया, जबकि सभागार मंगल प्रवेश की जिम्मेदारी रमेशचन्द्र केरोत ने निभाई। भोजन एवं अल्पाहार के पुण्यार्जक हंसमुख भाई लालावत एवं राजमल गांगावत रहे। इस अवसर पर परिचय पुस्तिका "हमसफ़र" के मुख्य संपादक महावीर भाणावत भी उपस्थित रहे। युवा परिषद उदयपुर के अध्यक्ष अभिषेक भावोत एवं महामंत्री महावीर लुणदिया ने सम्मेलन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले समाजजनों, अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में वैवाहिक संवाद को बढ़ावा देने के साथ-साथ नई पीढ़ी को एक सकारात्मक मंच उपलब्ध कराते हैं। सम्मेलन के समापन पर समाज के वरिष्ठजनों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे सामाजिक समरसता एवं पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में सार्थक पहल बताया।



महंगाई के खिलाफ सड़क पर उतरी कांग्रेस, उदयपुर में फूंका केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को लेकर कांग्रेस ने शुक्रवार को उदयपुर में केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। हिरणमगरी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी और गिर्वा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में पारस सर्कल पर आयोजित प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि लगातार बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की रसोई और घर का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के लिए रोजमर्रा का खर्च उठाना लगातार कठिन होता जा रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि ईंधन और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के बावजूद केंद्र सरकार आमजन को राहत देने में असफल रही है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य विवेक कटारा ने कहा कि महंगाई पर नियंत्रण करने में केंद्र सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल के बढ़ते दामों का असर केवल वाहन चालकों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवहन लागत बढ़ने से खाद्य सामग्री समेत अन्य जरूरी वस्तुएं भी महंगी हो जाती हैं, जिसका सीधा बोझ आम जनता पर पड़ता है। उदयपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी अरविंद डामोर ने कहा कि आमजन पहले से ही आर्थिक दबाव झेल रहा है और महंगाई ने उसकी परेशानियों को और बढ़ा दिया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया और जनता को राहत नहीं मिली तो कांग्रेस आने वाले दिनों में जनहित के मुद्दों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन तेज करेगी। प्रदर्शन के दौरान पारस सर्कल पर कुछ समय तक राजनीतिक माहौल गरमाया रहा। कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाते हुए महंगाई को देश की सबसे बड़ी समस्या बताया। दिव्यानी कटारा, शैलेष मिश्रा, ओम डांगी, मुस्तफा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।



24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।